Family Planning Programme

+

*151. **Shri D. C. Sharma:**
Shri Yashpal Singh:
Shri Bagri:
Shri Madhu Limaye:
Shri Bhanu Prakash Singh:
Shri M. Rampure:
Shri Kanakasabai:
Shri Mohammed Koya:

Will the Minister of **Health** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a decision has been taken to village-orient the family planning programme, concentrating its attack on the population problem in the rural rather than in urban areas; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to implement this decision?

The Deputy Minister in the Ministry of Health (Shri P. S. Naskar): (a) The family planning programme is being implemented with equal emphasis both in urban and rural areas.

(b) Does not arise.

Shri D. C. Sharma: May I know how many family planning clinics are working at present in the urban areas of India and how many are working in the rural areas of India? If the hon. Minister is not able to give the exact figures, she may give a rough idea.

The Minister of Health (Dr. Sushila Nayar): About 9,000 family planning clinics are in the rural areas and about 1,500 to 2,000 are in the urban areas.

Shri D. C. Sharma: When the number of villages in this country runs into several lakhs, may I know how the family planning programme is going to be tackled by these 9,000 family planning clinics and what is the target laid down for the Fourth Five Year Plan?

Dr. Sushila Nayar: There are about 5,200 community blocks in the country. Each of these should have a primary health centre. At present, there are about 4,200 centres. But all the 5,200 and odd blocks should have primary health centres in the Fourth Plan. Secondly, at present, we have a target of 3 sub-centres for each primary health centre. All of them do not have these 3 sub-centres at present. Now we have raised the target to 6 sub-centres under every primary health centre and we expect to achieve that target in the Fourth Plan. This means that there will be a sub-centre roughly for every 10,000 persons or 2,000 families to give them the necessary advice and assistance in the matter of family planning and other things.

श्री यशपाल सिंह : आज लड़ाई जीतने के दो ही तरीके हैं, न्यूक्लियर वैपंस या जवान। अब न्यूक्लियर वैपंस को तो सरकार मना करती है और एटम बम वह बनायेंगे नहीं और दूसरे वह जवानों के लिये फैमिली प्लानिंग शुरू हो गयी तो यह लड़ाई कैसे जीती जायगी? दोनों में से एक तो अपनाना पड़ेगा। दोनों में से एक बात तो माननी ही पड़ेगी।

अध्यक्ष महोदय : अब पाकिस्तान की लड़ाई में जो आज पैदा हों क्या उन को माननीय सदस्य लड़ाना चाहते हैं ?

श्री यशपाल सिंह: लड़ाई कोई एक दिन की तो है नहीं। मियां भुट्टो तो कह ही रहे हैं कि लड़ाई हजार साल की होगी।

श्री मधु लिमये: यह कुटुम्ब नियोजन के अभियान को सफल बनाने के लिये क्या संसद-सदस्यों, विधान सभाओं के सदस्यों, पंचायतों के सदस्यों और जो 90 लाख सरकारी और निम्न सरकारी नौकर हैं, उन को यह हिदायत दी गई है कि कुटुम्ब नियोजन की योजना पर वह स्वयं अमल करे और दूसरों को भी अमल करने के लिए प्रेरित करें।

डा० सुशीला नायर : श्रीमन, माननीय सदस्यों को तो मैं ने स्वयं पत्र भी लिखे हैं उन की सहायता मांगने के लिये और जहां तक

सरकारी नौकर हैं, उन को भी इस बारे में सलाह दी जाती है और उन की सहायता भी सब जगह पर मांगी जाती है ।

श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती : जैसा कि अभी माननीय सदस्य, श्री यशपाल सिंह, ने पूछा है, क्या सरकार वीर बहादुरों को उत्पन्न करने में बाधा डालने वाले परिवार-नियोजन के ऐसे भ्रष्ट कार्यक्रम को वापस लेने पर विचार कर रही है ?

डा० सुशीला नायर : श्रीमन्, माननीय सदस्य द्वारा कही गयी दोनों बातें ही ठीक नहीं हैं । यह कार्यक्रम भ्रष्ट नहीं है—शुद्ध है । और वीर सन्तानों को उत्पन्न करने में कोई बाधा नहीं है । इतना ही कहा जाता है कि दस बच्चे पैदा किये जायें और सात मर जायें, ऐसी परिस्थिति की जगह पर तीन ही बच्चे पैदा हों और तीनों ही जिन्दा रहें, इस का आयोजन किया जाये ।

श्रीमती जमुना देवी : अभी स्वास्थ्य मंत्री जी ने जवाब में कहा है कि इस योजना को सफल बनाने के लिए शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में समान रूप से प्रयत्न किये जा रहे हैं । शहरों में जितनी अच्छी व्यवस्था है, ग्रामीण क्षेत्रों में उतनी अच्छी व्यवस्था नहीं है । इस लिये स्वास्थ्य मंत्री ने जो कहा है, वह गलत है । मैं पूछना चाहती हूं कि क्या स्वास्थ्य मंत्री जी को यह ध्यान है कि ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां पर दो हजार, तीन हजार की आबादी में आज भी अस्पताल नहीं है, न ब्लाक स्तर पर पूरा स्टाफ है और न वहां पर ठीक व्यवस्था है, यदि हां, तो इस व्यवस्था को सुधारने के लिये और इस योजना को सफल बनाने के लिये क्या प्रयत्न किये जा रहे हैं ।

डा० सुशीला नायर : मैंने अभी निवेदन किया है कि हम चाहते हैं कि सारे देश में ऐसे केन्द्रों का एक जाल बिछाया जाय, ताकि किसी को सलाह-मशविरे के लिये अधिक दूर न जाना पड़े । इस के अलावा सैंटर्ज में जो कार्यकर्ता होंगे, वे घर-घर जा कर सलाह-मशविरा देंगे । प्राइमरी हैल्थ सैंटर्ज में भी स्टाफ बढ़ाया जा रहा है, ताकि वहां पर महिला-डाक्टर रहें, जो महिलाओं की ज्यादा मदद कर सकें और पुरुष-डाक्टर पुरुषों को मदद दे सकें, यह सारा आयोजन किया जा रहा है ।

श्रीमती विमला देशमुख माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी ने बताया है कि ऐसे केन्द्रों का जाल बिछाया जा रहा है । मैं यह जानना चाहती हूं कि खास तौर पर देहात में ऐसे केन्द्र स्थापित करने में कितना समय लगेगा ।

डा० सुशीला नायर: चौथी पंच-वर्षीय योजना में शीघ्रातिशीघ्र हमारी कोशिश होगी कि यह कार्यक्रम सब जगह पर पहुंच जाये ।

श्री ओंकार लाल बेरवा : गांवों में जहां अब भी हैल्थ सैन्टर बने हुए हैं, वे डाक्टरों की कमी के कारण बेकार साबित हुए हैं । क्या सरकार के पास डाक्टरों की इतनी कमी है; अगर है, तो वह कमी कितनी है और वह कमी कब तक पूरी हो जायेगी, ताकि यह योजना ठीक प्रकार से चलाई जा सके ?

डा० सुशीला नायर : मैं ने पहले भी कुछ सवालों के जवाब में यहां निवेदन किया है कि जो 4200 या 4300 सैंटर हैं, उन में से 400 या 500 जगहों पर डाक्टरों की कमी है । बाकी में डाक्टर मौजूद हैं । अब हम सब सैन्टर्ज में दो-दो डाक्टर पहुंचाने की योजना करना चाहते हैं । उस के लिए हम कुछ विद्यार्थियों को स्कालरशिप दे कर उन से बांड लेने की योजना बना रहे हैं, ताकि वे ग्रामीण कार्य के लिये उपलब्ध हो सकें ।

Shrimati Jyotsna Chanda: May I know whether it is a fact that the family planning programme is more popular among women-folk rather than among men-folk and, if so, what steps Government propose to take to popularise it among men?

Dr. Sushila Nayar: It is true that women are more anxious to have the advice and follow the family planning methods than men are.

Mr. Speaker: Here too they are more anxious to ask questions.

Dr. Sushila Nayar: Under the re-organized scheme, it is proposed to have some male workers along with female workers.

Shrimati Akkamma Devi: In the rural areas a large number of people with a large number of children are appointed as family planning workers and they are facing a volley of questions from the rural population. May I know whether the Government of India is aware of this and whether any action has been taken in this respect?

Dr. Sushila Nayar: Gerally we prefer to have family planning workers with small families, but in some cases we do take workers with larger families also, because from their personal experience they can tell the people how harmful it is to have a large family.

श्री विश्राम प्रसाद : कुछ बड़े अफसरों और मोटे मोटे सेठों को छोड़ कर अक्सर लोगों और गरीबों के ज्यादा बच्चे होते हैं ।

एक माननीय सदस्य : खास कर आप के ।

श्री विश्राम प्रसाद : उस का कारण यह है कि गरीबों के रिक्रीएशन के लिए सरकार ने कोई व्यवस्था नहीं की है । मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने उस पर विचार किया है और यह जानने की कोशिश की है कि क्यों बच्चे ज्यादा होते हैं और वे कैसे रोके जा सकते हैं ।

डा० सुशीला नायर: यह बात सही है कि गरीब और अशिक्षित परिवारों में कुटुम्ब ज्यादा बड़ा होता है, बच्चे ज्यादा होते हैं । इसलिये फैमिली प्लानिंग को सफल बनाने के लिए तालीम की तरफ भी खास तवज्जह देने की आवश्यकता है और हम लोग उस पर जोर दे रहे हैं ।

Shri Kapur Singh: He enquired recreation facilities, and the hon. Minister is replying about education.

Dr. Sushila Nayar: May I submit for the hon. Member's information that some surveys which were carried out have disclosed that the size of the family was directly proportionate to the level of education particularly of the women?

श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या यह सही है कि इस परिवार-नियोजन के कार्यक्रम में बहुसंख्यक लोग ही ज्यादा भाग लेते हैं और अल्पसंख्यक लोग कम भाग लेते हैं, अर्थात् मुसलमान लोग इस कार्यक्रम में बिल्कुल हिस्सा नहीं लेते हैं और हिन्दुओं पर ही परिवार-नियोजन ज्यादा लागू किया जाता है ?

अध्यक्ष महोदय : वे तो सब को कहते हैं । जो चाहे इस को स्वीकार कर ले । अगर आप नहीं लेना चाहते हैं, तो वे आप को मजबूर तो नहीं करते हैं ।

श्री शिव नारायण : मेरा प्रश्न श्री यशपाल सिंह के प्रश्न से सबन्धित है । हमारा देश एक धार्मिक मनोवृत्ति का देश रहा है । मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकार जितना रुपया फैमिली प्लानिंग पर खर्च कर रही है, उतना रुपया वह ब्रह्मचर्य-पालन और अच्छी शिक्षा पर क्यों नहीं खर्च करती है ।

Shri D. C. Sharma: He has got eight children.

अध्यक्ष महोदय: श्री डी० सी० शर्मा को उस पर ऐतराज है ।

श्री रघुनाथ सिंह : क्या यह सच है कि मौहैमडन एरिया में, मुस्लिम पापुलेशन में, फैमिली प्लानिंग सक्सेसफुल नहीं हो रहा है; यदि हां, तो मौहैमडन एरिया में इस को

सक्सेसफुल बनाने के लिये क्या इन्तजाम किया जा रहा है ?

डा० सुशीला नायर : यह बात सही नहीं है कि फैमिली प्लानिंग की एक्सेप्टेंस या उस के प्रति रेसिसटेंस का कुछ धर्म के साथ सम्बन्ध है, लेकिन यह बात सही है कि जितनी बैकवर्ड कोई कम्युनिटी होती है, उतनी उस में ज्यादा रेसिसटेंस होती है । कोशिश यह की जा रही है कि सब ग्रुप्स में उन के विश्वासपात्र लोगों को ले कर इस कार्य को उन तक पहुंचाया जाय ।

अध्यक्ष महोदय : मैं ने स्वामी जी को जान-बूझ कर वक्त नहीं दिया है ।

स्वा० रामेश्वरानन्द : अध्यक्ष महोदय, मेरे साथ यह व्यवहार क्यों ?

World Bank Loans

+

*153. **Shri Shree Narayan Das:**
Shri Basappa:
Dr. Ranen Sen:
Shri Dinen Bhattacharya:
Shri Yashpal Singh:
Shri Prakash Vir Shastri:
Shri Kapur Singh:
Shri Kajrolkar:
Shri Jashwant Mehta:

Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) whether the situation arising out of the present Indo-Pakistan conflict has had any adverse effect on the loans, credits and other commitments of the World Bank and its two affiliates made to India for her economic development; and

(b) if so, the nature and extent to which these have been affected?

The Minister of Planning (Shri B. R. Bhagat): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Shri Shree Narayan Das: May I know whether, besides the past commitments made by these bodies to India, the Government of India has made an approach for fresh loans and credit, and if so, the reaction and response of these bodies?

Shri B. R. Bhagat: This year's pledge amounts to 105 million dollars for the Bank and 145 million dollars for the IDA.

Shri Shree Narayan Das: I wanted to know whether, besides past commitments, the Government of India had made a fresh approach for fresh loans and credit, and if so, the reaction of these bodies.

Shri B. R. Bhagat: I said about this year. It is the latest.

Shri Shree Narayan Das: May I know whether, in view of the fact that the UK and USA have suspended economic aid to India, the Government of India is going to make fresh proposals to these bodies to give the assistance necessary for the continuance of our projects?

Shri B. R. Bhagat: The Bank and the IDA officials have announced that they continue to make disbursements on the existing loans and they are also processing the pending applications in the normal manner.

Shri Basappa: May I know whether the bank has been helpful in getting our consortium aid and, if so, what is the nature of that aid and whether we have got on the directorate of the world bank any representative and, if so, what is the role of that person there?

Shri B. R. Bhagat: For the third plan period they had been able to provide substantial aid; the bank's own commitment for the third plan runs into a figure of 1185 million dollars. We are fully represented on the bank; we are one of the founder members of the bank; the Finance Minister is there on the board of governors; and we have an executive director who is permanently there.

Dr. Ranen Sen: Is it a fact that the government has not been able to draw its 100 million dollars from the